UDGAM VIGYATI, Volume 2, 2015, (November)
Online ISSN 2455-2488
Page No. 116-117

"जीवन कौशल आधारित शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार"

डॉ. मीना गुप्ता
सहा. प्राध्या., (वाणिज्य) द.अ.वि.वि.–मा.सु.द.क.महा.

सारांश :–
उच्च शिक्षा का उद्देश्य होता है कि संबंधित व्यक्तियों को जागरूक करना व सही दिशा का ज्ञान करवाना। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता जीवन कौशल पर आधारित हानी चाहिये विद्यार्थी इसे अपनी रेगुलर जिदंगी में शामिल करें गुणवत्ता सुधार के लिये विद्यार्थी की स्वैच्छिक, सामुहिक और अनिवार्य रूप से क्रियाकलाप करने का प्रयास करना चाहिये। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल एक बार सीखना नही है, बल्कि यह जीवनभर सीखते चलने का उपक्रम है कार्य करना एक बात है आरै कार्य में गुणवत्ता लाना बिल्कुल दूसरी बात है गुणवत्ता लाने के लिये हमें अपनी अच्छाइयीं को और अधिक मजबतू करना, सुअवसरों का लाभ उठाना, कमजोर पक्षों पर ध्यान दने, आत्मविश्वासी हाने, तनाव से दरू रहना, स्वय में मानसिक दृढ़ता लाना, स्वयं में और संस्था में गुणवत्ता, सस्ंकृति को विकसित करना पड़ता है आज विद्यार्थियों की पुस्तकीय ज्ञान के साथ ही विविध क्षेत्रों के ज्ञान की भी जरूरत है। जिससे उनके सपर्ूण व्यक्तित्व का विकास हो सके उसमें नैतिक व सामाजिक मल्ूयों की पहचान कर उसका उचित प्रबधं कर सके

उच्च शिक्षा का उद्देश्य होता है कि संबंधित व्यक्तियों को जागरूक करना व सही दिशा का ज्ञान करवाना। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता जीवन कौशल पर आधारित हानी चाहिये विद्यार्थी इसे अपनी रेगुलर जिदंगी में शामिल करें गुणवत्ता सुधार के लिये विद्यार्थी की स्वैच्छिक, सामुहिक और अनिवार्य रूप से क्रियाकलाप करने का प्रयास करना चाहिये। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल एक बार सीखना नही है, बल्कि यह जीवनभर सीखते चलने का उपक्रम है कार्य करना एक बात है आरै कार्य में गुणवत्ता लाना बिल्कुल दूसरी बात है गुणवत्ता लाने के लिये हमें अपनी अच्छाइयीं को और अधिक मजबतू करना, सुअवसरों का लाभ उठाना, कमजोर पक्षों पर ध्यान दने, आत्मविश्वासी हाने, तनाव से दरू रहना, स्वय में मानसिक दृढ़ता लाना, स्वयं में और संस्था में गुणवत्ता, सस्ंकृति को विकसित करना पड़ता है आज विद्यार्थियों की पुस्तकीय ज्ञान के साथ ही विविध क्षेत्रों के ज्ञान की भी जरूरत है। जिससे उनके सपर्ूण व्यक्तित्व का विकास हो सके उसमें नैतिक व सामाजिक मल्ूयों की पहचान कर उसका उचित प्रबधं कर सके

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुधार की आवश्यकता क्यों –

- सैध्दान्तिक ज्ञान के साथ – साथ व्यवहारिक ज्ञान की आवश्यकता।
- अकादमिक डिग्री के साथ – साथ आवश्यक काशैल सिखाना जैसे इटंर–पर्सनल रिलशेन, अन्वक्षेण, सगंठनात्मक।
- कम्प्यटर साक्षरता पर जोर।
- लिखित व माखिक सप्रेषण तथा संवाद क्षमता।
- सगंठन करने की क्षमता, नेतृत्व करने की क्षमता, समस्या – समाधान करने की क्षमता।
- विषम परिस्थितियों में स्वयं को स्थापित करते हुए उचित निर्णय लने की क्षमता।
- नैतिक व मानवीय मल्ूयों की स्थापना।
- रोगार के अवसरों की सुनिश्चितता।
- व्यक्तित्व विकास की आवश्यकता।

UDGAM VIGYATI, Volume 2, 2015, (November)
Online ISSN 2455-2488
Page No. 116-117

- दृष्टिकोण व साचे में परिवतर्न ।

उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु किये जाने वाले शासकीय प्रयास –

- विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालया ं में सेमीनार व वकर्शॉप का आयोजन।
- वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप पाठ्यक्रम में परिवर्तन।
- स्मार्ट एवं वर्चुअल क्लासेस के माध्यम से अध्ययन व्यवस्था।
- सेमेस्टर पध्दति के माध्यम से सतत् मूल्यांकन कार्यक्रम, प्रोजेक्ट इंटर्नशीप के द्वारा व्यावहारिक ज्ञान।
- शिक्षक अभिभावक योजना।
- विद्यार्थिया ं की प्रोत्साहन हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन।
- औद्योगिक भ्रमण।
- वार्षिक पत्रिका व न्यजू लेटर का प्रकाशन।
- कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ।

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता हेतु आवश्यक सुझुझाव –

- महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की 75%उपस्थिति अनिवार्य होनी चाहिये
- जॉब ओरियटं डे विषयों को अनिवार्य रूप से पढ़ा जाना चाहिये
- लाइब्रेरी का सदुपयोग किया जाना चाहिये।
- उच्च शिक्षा सस्थाना ं मे ं कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों के लिये उचित प्रोत्साहन व पुरस्कार व लापरवाह व्यक्तियों को दण्डित करन ं का प्रावधान होना चाहिय।
- "शैक्षणिक भ्रष्टाचार" को पभावपणू र् तरीकों से राको जाना चाहिय।
- विद्यार्थियों का मौखिक प्रस्तुतीकरण का कौशल, समहू – चर्चा कौशल एकाग्रता, समय प्रबधंन, तर्कशक्ति विस्तार समय – समय पर परखा जाना चाहिय।
- कम्प्यटूर शिक्षा व रिसर्च मैथ्डालॉजी की शिक्षा अनिवाय र् हानी चाहिये जिस ं की विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय प्रोजेक्ट बनाने में निपुणता प्राप्त हो सके।
- विद्यार्थियों को रंगिगं व अन्य अनुशासनहीन गतिविधियों में सलंग्न पाये जाने पर उन्हें संस्था से निष्कासित करने का प्रावधान सख्ती से लागू किया जाना चाहिये।

निष्कर्ष

जीवन काशै ाल आधारित शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा में गणुात्मक सधुार हेतु प्रदेश के सवागीण विकास के लिये उच्च – शिक्षा के सभी आयामों पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। अकादमिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिये एकीकृत पाठ्यक्रम लागू करना अनिवार्य है। शैक्षिणिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिये स्मार्ट क्लास, ई–लायब्रेरी, शिक्षकों के मध्य अकादमिक संवाद को बढ़ावा देने की योजना, पारदर्शिता युक्त मल्ू याकं न क ं साथ – साथ पुरस्कार व दण्ड की व्यवस्था करना हागे ा। पश्र ाासनिक गणु ावत्ता बढ़ा ने के लिये सिगंल विन्डो सिस्टम की तर्ज पर विश्वविद्यालय व महाविद्यालया ं क ं कामकाज का पुनर्गठन, विश्वविद्यालया ं की सख ं या व उनक ं विस्तार कोसीमित करना हागे।
इस प्रकार उच्च शिक्षा विभाग से जुड़े सभी अधिकारिया ं व कर्मचारियों और प्राध्यापकों की उच्च शिक्षा में गुणात्मक सधुार व विकास के लिये मिलकर कार्य करना हागे ा तभी गणुवत्ता को बढ़ाया जा सकेगा।

सदंर्भ– सूची

1. उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. वर्ष 2014 व पत्रों के आधर पर।
2. नेट का प्रयोग व पत्र – पत्रिकाएँ।
3. व्यक्तिगत प्राप्त जानकारी व अनुभव के आधार पर।